

## ADMINISTRATION OF JUSTICE DEPARTMENT

The 5th November, 1984.

No. 20/11/82-JJ(4).--The Governor of Haryana hereby makes the following amendment in the Haryana State Grant of Free Legal Services and Advice to the Poor Rules, 1982, namely:—

- I. These rules may be called the Haryana State Grant of Free Legal Service and Advice to the Poor (3rd Amendment) Rules, 1984, in rule 10 in sub-rule (1) for serial No. 1, the following shall be substituted, namely:—

I. 'Hon'ble Justice Shri G. C. Mittal,  
Judge of Punjab & Haryana High Court'.

Chairman

L. C. GUPTA,

Financial Commissioner and  
Secretary to Government, Haryana, Administration of Justice  
Department.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 23 अक्टूबर, 1984

क्रमांक 1164-ज-(I)-84/28860.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री पद्मनाभ, पुत्र श्री तेजी, निवासी बुझाना लाखू तहसील पानीपत, जिला करनाल, को रबी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1218-ज-(I)-84/28864.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री वन्ता सिंह, पुत्र श्री विन्दा सिंह, वासी कुलडपुर, तहसील नारायणगढ़, जिला प्रभावा, को खरीफ, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर, 1984

क्रमांक 1252-ज-(I)-84/29058.—श्री श्यो लाल, पुत्र श्री बोहड़, गांव मानेसर, तहसील गुडगांवा, जिला गुडगांवा, की दिनांक 1 जनवरी, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री श्यो लाल की मुल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 374-ज-(II)-74/19510, दिनांक 13 जून, 1974 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी अब उसकी विधवा श्रीमती सारली देवी के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी० आर० तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।

LATE NOTIFICATION